SANJAY
STORE TEXTILES
Dara Market, Johari Bazar & Tonk Road, Paanch Batti JAIPUR
2570847

If undelivered, Pl. return to
रमन अग्रवाल (संपादक)
हैल्थ व्यू : 170/3, रामगली, राजापार्क
जयपुर-302004
मो. 98290-66272

सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

राष्ट्रस्तरीय पाक्षिक पत्रिका

HEALTH VIEW
हैल्थ व्यू

कैंसर एवं गंभीर बीमारियों की रोकथाम में प्रयासरत संस्थान

विशेष वार्षिक सदस्यता-500/-* सहयोग-2100*/- विशेष सहयोग 3100*/-

वर्ष 22 अंक 13 हिन्दी/अंग्रेजी पृष्ठ 8 प्रति-2 रु., जयपुर 18 अगस्त, 2023

चाय, नमकीन, सुपारी, मसाले, पाउडर इत्यादि की पैकिंग के लिए
ऑटोमैटिक पाउच पैकिंग मशीनें
सुरेंद्र कुमार एण्ड कंपनी
2368358, 2378231 मो. 9829013384
खंडेलवाल स्कूल बिल्डिंग, स्टेशन रोड, जयपुर

बुरी आदतों से खुद को कीजिए आजाद
खुल कर खुशियों भरी जिंदगी जियें

रमन अग्रवाल

देश में आजादी का जश्न है, हमारा भारत देश अपनी स्वतंत्रता की 76वीं वर्षगांठ मना रहा हैं। आजादी के पावन पर्व को आप तभी महसूस कर सकते है, जब आप स्वस्थ हो। यदि आपका शरीर किसी भी प्रकार की व्याधि तकलीफ में है तो सभी खुशियां आपके लिए बेमानी है।

आज भी हम किसी न किसी बुरी आदत के कैद में हैं। और यह प्रकृति का नैसर्गिक गुण भी है गुण के साथ अवगुण साथ-साथ चलते हैं। जरूरी है केवल हमें अपने इंद्रियों पर नियंत्रण की। ये बुरी आदतें हमें बीमार और बेकार बना सकती हैं. इन आदतों को छोड़ने के लिए स्वतंत्रता दिवस से अच्छा मौका कोई हो ही नहीं सकता। आईए इस स्वतंत्रता दिवस पर हम संकल्प लें।

इन बुरी आदत को छोड़कर खुद को एक हेल्थी लाइफ देने की शुरुआत करें। इस स्वतंत्रता दिवस के साथ इन खराब लाइफस्टाइल से खुद को आजाद कीजिए। इस आजादी उत्सव में आपको स्वस्थता का एहसास कराने का बीड़ा हेल्थ व्यू ने संभाला हुआ है। जागरूक होकर और अनुसरण करके आप हेल्थी लाइफ पाकर जीवन का हर आनंद उठा लंबी उम्र पा सकते है।

कैंसर से आजादी के लिए....

भगवान महावीर कैंसर हॉस्पिटल के डॉ. अनिल गुप्ता ने बताया कि कैंसर की बीमारी बड़ी तेजी से फैल रही है। ताजा आंकड़े बताते हैं कि अमरीका में बयालीस फीसद मर्द और 38 फीसद औरतों को कैंसर होने की आशंका है। ब्रिटेन में तो ये आंकड़ा और भी ख़राब है। यहां 54 फीसद आदमी और 48 फीसद महिलाओं को कैंसर होने का डर है।

डॉ. अनिल गुप्ता

इसकी वजह क्या है? - इस सवाल का जवाब पाने के लिए पहले हमें समझना होगा कि कैंसर है क्या? असल में कैंसर, इंसान के विकास की क़ुदरती प्रक्रिया का नतीजा है। इंसान जैसे बड़े जीव कैंसर जैसी बीमारी को इसीलिए झेलते हैं क्योंकि वो बड़े और पेचीदा हैं। जैसे विकास की प्रक्रिया के नतीजे में हमें कैंसर की बीमारी मिली है. इसी तरह की नई सोच से इस बीमारी से लड़ने की तैयारी भी हो रही है। कैंसर कैसे होता है, ये समझने के लिए हमें अपने अंदर होने वाली क़ुदरती प्रक्रिया को समझना होगा। हर जीव, हर इंसान का विकास, हमारे शरीर में मौजूद कोशिकाओं के बंटने से होता है। इंसान का शरीर एक कोशिका से ही बनना शुरू होता है। नर के शुक्राणु और मादा के अंडाणु के मेल से एक गेंदनुमा कोशिका बनती है. इसी कोशिका के बार-बार के बंटवारे से हमारा विकास होता है। जब हम 18 बरस की उम्र तक पहुंचते हैं तब तक हमारे शरीर की कोशिकाएं अरबों बार बंट चुकी होती हैं। कोशिकाओं के बंटने की ये प्रक्रिया बेहद नियंत्रित माहौल में होती है। जैसे कि जब आपके हाथ की उंगलियां बनती हैं तो उस दौरान कई कोशिकाएं ख़ुदकुशी करती हैं। तब जाकर आपकी दो उंगलियों के बीच जगह बनती है। कैंसर की बीमारी भी कोशिकाओं के बंटवारे से ही होती है. फ़र्क़ बस इतना होता है कि जहां शरीर के अंगों के विकास के वक़्त कोशिकाओं का विभाजन बेहद नियंत्रित माहौल में होता है। कैंसर असल में कोशिकाओं के विभाजन की प्रक्रिया का बेक़ाबू हो जाना है।

संपर्क सूत्र डॉ. अनिल गुप्ता मो. 98290 52417

बिना हड्डी काटे दूरबीन से की हार्ट की बाई पास सर्जरी

राजस्थान में पहली बार हार्ट की चारों धमनियों के ग्राफ्ट छाती के अंदर से ही लेकर सर्जरी कर स्थापित किया कीर्तिमान।

हाल ही जयपुर मणिपाल हॉस्पिटल ने पंजाब निवासी 53 वर्षीय राम प्रकाश को नया जीवन दिया। मणिपाल हॉस्पिटल जयपुर के वरिष्ठ कार्डियक सर्जन डॉ. ललित मलिक ने बताया कि पंजाब के फाजिल्का जिला ग्राम दौलतपुरा मरीज राम प्रकाश मुझसे परामर्श लेने जयपुर आया। मरीज की पुरानी जांच देखने व फिजिकली जांच करने पर पता लगा कि उनके हार्ट की चारों मुख्य धमनियां 90 प्रतिशत से अधिक ब्लॉक है और उनके उपचार का एकमात्र रास्ता हार्ट की बायपास सर्जरी है। एंजियोप्लास्टी नहीं हो सकती है।

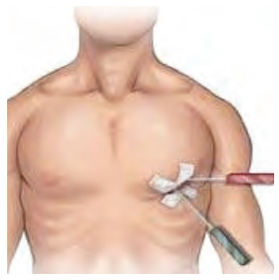

डॉ. मलिक ने बताया कि वह दूरबीन से हार्ट की सर्जरी पहले भी करते आये है। लेकिन यह सर्जरी अपने आप में बिल्कुल अलग है। इसमे हार्ट की चारों मुख्य धमनियों के ब्लॉकेज को दूरबीन की सहायता से एक साथ दूर किया है व साथ ही ग्राफ्ट भी छाती के अन्दर से ही लिया गया। इस तरह दूरबीन द्वारा अन्दर से ही चारों ग्राफ्ट लेकर करने वाली यह राजस्थान की प्रथम सर्जरी है। अमूमन एक या दो ग्राफ्ट ही छाती से लेकर सर्जरी की जाती है बाकी के ग्राफ्ट पांव की नसों से लिये जाते है। उन्होंने कहा इस सर्जरी में चारों ग्राफ्ट हार्ट के अंदर से ही लिये है। जो कि आज तक किसी ने राजस्थान में इस प्रकार की सर्जरी में नहीं लिये है। डॉ. मलिक का कहना है कि इस सर्जरी में मरीज की किसी भी हड्डी को काटा नहीं गया है।

डॉ. ललित मलिक

पसलियों के बीच में मात्र एक दो इंच का छेद करके हार्ट की पूर्ण सर्जरी की गई है जो कि मरीज की जल्दी रिकवरी सुनिश्चित करती है। साथ ही हार्ट से लिए गये चारों ग्राफ्ट भी मरीज की धमनियों का ज्यादा व गुणवत्तापूर्ण जीवन सुनिश्चित करते है। सामान्यतया पैरों की नसों से लिया गया ग्राफ्ट की लाईफ 10 से 12 साल की होती है व दूसरी और इस प्रकार छाती के अंदर से लिये ग्राफ्ट की लाईफ 20 से 25 साल होती है। मणिपाल हॉस्पिटल जयपुर के डायरेक्टर रंजन ठाकुर कहते है कि यह राजस्थान का संभवतया पहला मामला है और हमे डॉक्टर मलिक की इस उपलब्धि पर गर्व है। डॉक्टर मलिक ने इस तरह की सर्जरी में न केवल राजस्थान में बल्कि देश के मानचित्र पर अपना स्थान बनाया है। **संपर्क सूत्र**

डॉ. ललित मलिक
मो 99998 81426

परंपरागत ओपन हार्ट सर्जरी और दूरबीन हार्ट सर्जरी में क्या फर्क

डॉक्टर मलिक से दूरबीन से हार्ट सर्जरी करने के बारे में प्रश्न किया कि परंपरागत ओपन हार्ट सर्जरी और दूरबीन हार्ट सर्जरी में क्या फर्क है इसके जवाब में उन्होंने कहा कि दोनों तरीके से किए गए ऑपरेशन में सर्जिकल परिणाम एकदम समान है। फर्क है तो रोगी को मानसिक तनाव कम होता है रिकवरी तुरंत होती है ब्लड का लॉस कम होता है। आईसीयू में ठहराव कम होता है। कोई हड्डी नहीं काटने से केलॉइड नहीं बनता है। स्कार नहीं आता। घाव में इन्फेक्शन की संभावना नहीं है। दैनिक दिनचर्या अपनी शीघ्र ही आसानी से शुरू कर सकता है। इन सब फायदाओं के बाद हमने उनसे खर्चे के बारे में पूछा तो उन्होंने कहा कि परंपरागत तकनीक से यह तकनीक केवल 20प्रतिशत महंगी है लेकिन यदि तुलना की जाए तो यह रोगी के इतने फायदे देखते हुए क्षतिपूर्ति के रूप में अत्यंत सस्ती पड़ती है ।

बन सकेगी डायबिटीज की पूरी जन्म कुंडली

डॉ. संदीप माथुर

जयपुर के सवाईमानसिंह मेडिकल कॉलेज के एंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ संदीप माथुर ने डायबिटीज के इलाज पर शोध कर एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने कहा कि डायबिटीज की शुरुआत इंसुलिन रेजिस्टेंस से होती है। हमने इस रेजिस्टेंस के मेटाजीनोम की पहचान कर ली। शोध में हम करोड़ों जीनोम में से वो जीनोम पता कर पाए, जिनसे यह रेजिस्टेंस होता है। इसे मेटाजीनोम नाम दिया गया। मेटाजीनोम से डायबिटीक मरीजों में यह पता चल गया कि उनमें डायबिटीज की आशंका लगभग 75 प्रतिशत होगी। इसके विश्लेषण के लिए एआई का इस्तेमाल किया गया। एक तरह से दो तकनीकों के जरिये हमने डायबिटीज की पूरी जन्म कुंडली देखने में सफलता प्राप्त कर ली। इस अध्ययन में मेरे साथ मथुरा के डॉ. आदित्य सक्सेना, डॉ. नितिश माथुर, डॉ. प्रदीप तिवारी भी शामिल रहे। अभी तक डायबिटीज की जांच का पैमाना ब्लड शुगर और बायोकेमिस्ट्री है इस जांच से बीमारी को जड़ से खत्म करने में 100 प्रतिशत सफलता नहीं मिलती लेकिन इस अध्ययन के बाद जिन लोगों में डायबिटीज की आशंका होगी उसका पूर्व में पता लगाकर इसे जड़ से खत्म किया जा सकता है।

संपर्क सूत्र - डॉक्टर संदीप माथुर मो 94140 48666

भांपा जा सकेगा अचानक होने वाले हृदय घात को

जयपुर। सडन कार्डियक अरेस्ट यानि अचानक होने वाला हृदयघात से कई मौतें होती हैं। इसके पीछे एट्रीयल फिब्रिलेशन एक मुख्य कारण है, जयपुर हार्ट रिदम समिट के दौरान विशेषज्ञों ने कहा कि अब नई तकनीक के जरिए सडन कार्डियक अरेस्ट के खतरे को पहले से भांपा जा सकता है। यह संभव हुआ रिमोट मॉनिटरिंग डिवाइस के जरिए।

इटर्नल हॉस्पिटल की ओर से दो दिवसीय कांफ्रेंस गत दिनों जयपुर में संपन्न हुई। कांफ्रेंस के ऑर्गनाइजिंग चेयरमैन डॉ. जितेंद्र सिंह मक्कड़ ने बताया कि दो दिनों में 50 से अधिक वैज्ञानिक सेशन हुए, जिसमें विषय विशेषज्ञों ने अपनी रिसर्च और इलाज में आई नई तकनीकों के बारे बताया। वहीं ईसीजी क्विज में विजेताओं को पुरस्कृत भी किया गया। ऑर्गनाइजिंग सेक्रेटरी डॉ. कुश कुमार भगत ने बताया कि अंतिम दिन पेसिंग सिंपोजियम हुआ, जिसमें पेसमेकर लगाने की नई तकनीकों की जानकारी दी गई।

इसके अलावा रेडियो फ्रीक्वेंसी अब्लेशन, हार्ट फेलियर में इको जांच की महत्ता. अरिद्मिया में कार्डियक एम आर आई जैसे विषयों पर सेशन हुए।

हैदराबाद की डॉ. दलजीत कौर ने बताया कि जिन मरीजों के पेसमेकर इंप्लांट किया गया है, उन्हें अब रिमोट मॉनिटरिंग डिवाइस भी दी जाती है, जो उनके हार्ट से जुड़ा सारा डाटा आपके डॉक्टर तक पहुंचाती है।

जोड़ों के दर्द का अब छोटी उम्र में भी बढ़ रहा खतरा

जोड़ों में दर्द की समस्या अब छोटी उम्र में भी देखने को मिल रही है, जिसकी वजह से युवाओं की दैनिक दिनचर्या डिस्टर्ब हो रही है और उनकी कार्य क्षमता में भी कमी आती है। इस बारे में इटरनल अस्पताल के ओर्थोपेडिसियन एवं जोड़ प्रत्यारोपण विशेषज्ञ डॉ. राजीव भार्गव का कहना है कि यह बिल्कुल सही है, इस समस्या को लोग प्राय: सामान्य ही समझते हैं लेकिन है अत्यंत गंभीर। अगर कहीं सीढियाँ चढ़नी पड़ जाए तो मुसीबत ही आ जाती है।

डॉ. राजीव भार्गव

उन्होने कहा कि इन परेशानियों से निजात पाने के लिए एक अच्छा विकल्प है, जोड़ रिप्लेसमेंट। जहां पहले छोटी उम्र में जोड़ प्रत्यारोपण करवाने से उसे 10-15 साल में रीवाइव करवाने की जरुरत रहती थी वह अब मेडिकल सांइस की तरक्की के चलते नहीं रहेगी, क्योंकि सिरेमिक्स नई सरफेस आ गई है इसके कारण कम उम्र के लोगों में लगाए गए जोड़ो की लाइफ कहीं ज्यादा होगी और व्यक्ति इसकी सहायता से

समय पर इलाज लेने से नहीं बढ़ेगी बीमारी

बड़े साइज के वाल्व लगाए जाने से आलथी पालथी भी लगा कर बैठ सकेगा, जो पूर्व में संभव नहीं था, उन्होने कहा कि जहां पहले के समय में जोड़ों को बदलना एक कठिन कार्य माना जाता था वहीं अब नई-नई खोजों और आधुनिक तकनीकों ने रिप्लेसमेंट सर्जरी को आसान बना दिया है। ऐसे जोड़ आने लग गए है जिनके जरिए हिप को बदलना संभव हो गया है और मरीज प्राकृतिक फीलिंग महसूस करता है।

इस में मुख्य पद्धतियां हैं एक फीमोरल हेमियारथोप्लास्टी (आधे हिप को बदलने की प्रक्रिया) तथा टोटल हिप रिप्लेसमेंट: सीमेंटिड प्रोस्थेसिस, अनसीमेंटिड प्रोस्थेसिस, हाईब्रिड टोटल हिप रिप्लेसमेंट। हिप रिप्लेसमेंट के बाद सभी मरीज अब सुचारू रूप से अपने कार्यों को कर सकते हैं। अब ऐसी स्थिति नहीं रही है कि मरीज कृत्रिम हिप ज्वांइट महसूस करे। अब वे नेचुरल फीलिंग ही महसूस करते है।

उन्होने कहा कि इस सर्जरी के बाद सभी मरीज आसानी से उठ बैठ सकते हैं। टांगों पर टांगे चढ़ाकर बैठना, आलथी पालथी मारकर बैठना, पेड़ पर चढ़ना, वैष्णो देवी की यात्रा करना व अन्य कई क्रियाएं आसानी से की जा सकती हैं। जो मरीज कुश्ती, स्कर्वेश, जूड़ो आदि खेलों से जुड़े होते हैं उनके लिए भी यह तरीका एकदम सुरक्षित है। इसका प्रभावशाली असर लगभग 20 वर्षों तक बना रहता है। अमेरिकल हिप जाइंट जो आते है उनकी लाइफ 20-25 साल के करीब होती है तथा जरुरत पड़ने पर आसानी से दुबारा सर्जरी कराने में सुगमता रहती है। उन्होने कहा कि अधिक शराब का सेवन और स्टीराइड से भी हिप डैमेज होने के केसेज सामने आ रहे है। ग्रामीण क्षेत्रों में नीम-हकीम द्वारा वजन बढ़ाने के लिए स्टीरॉइड देना भी इसका एक कारण है। उन्होने कहा कि इस हिप रिप्लेसमेंट सर्जरी को हर ओर्थोपेडिक सर्जन नहीं कर सकता है इसके लिए विशेष प्रशिक्षण की जरुरत रहती है और हॉस्पिटल में अति आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित व पूर्णतया: संक्रमण रहित ऑपरेशन थियेटर की भी आवश्यकता रहती है।

संपर्क सूत्र डॉ. राजीव भार्गव
मो. 9829015752

अपंगता का होगा ईलाज आसान

आज के आधुनिक युग में भीषण दुर्घटनाओं के कारण कईं बार व्यक्ति को जटिल समस्याएं उत्पन्न हो जाती है- जैसे कईं रोगियों के हाथ-पैरो की खाल उखड़ कर अलग हो जाती है और उचित इलाज समय पर नहीं मिल पाता है और न भरने वाला घाव बन जाने की वजह से रोगी का हाथ या पैर काटने तक की नौबत आ जाती है, इस बारे में एस एम एस मेडिकल कॉलेज के प्रोफेसर एवं प्लास्टिक सर्जरी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. जी. एस. कालरा का कहना है कि मेडिकल साइंस की तरक्की के चलते अब प्लास्टिक सर्जरी के क्षेत्र में माइक्रो सर्जरी इजाद हो गई है, जिसने बहुत सारी जटिल समस्याओं का समाधान कर दिया है। इसके अंतर्गत चोट लगे अंगों को बचाने के लिए मोटी चमड़ी या मांस पेशियों को लेकर क्षतिग्रस्त अंग के स्थान पर प्रत्यारोपित कर दिया जाता है। उन्होंने बताया

डॉ. जी.एस. कालरा

कि इसके अलावा Brachial Plexes Injury & Facial Paralises की स्थितियों में माइक्रो सर्जरी वरदान है इसके अंतर्गत क्रियाशील मांसपेशियों का स्थानांतरण कर लकवाग्रस्त अंगों को पुन: क्रियाशील किया जा सकता है। डॉ. कालरा ने कहा कि दुर्घटना के दौरान यदि अंगूठा, अंगुली, हाथ या पैर कट जाए तो उन्हें बर्फ में रखकर तुरंत ऐसे अस्पताल में रोगी को साथ लेकर जाना चाहिए जहां आधुनिक माइक्रो सर्जरी की सुविधा उपलब्ध हो ताकि कटे अंगों को पुन: सफलतापूर्वक प्रत्यारोपित किया जा सके। कईं बार देखने में आता है कि दुर्घटनाग्रस्त क्षेत्र के आस-पास छोटा-मोटा अस्पताल या कोई क्लिनिक होती है लोग मरीज को वहां लेकर चले जाते है और वहां का चिकित्सक भी उसे प्राथमिक चिकित्सा देने लग जाता है, प्राथमिक चिकित्सा तक तो ठीक है पर उसे वहां ज्यादा देर नहीं रखना चाहिए तुरंत प्लास्टिक सर्जन से संपर्क करना चाहिए, देर होने से कटे अंगों को प्रत्यारोपित नहीं किया जा सकता है। इस क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आए है अब जन्मजात विकृतियां जैसे हाथ के अंगुली या अंगुठा न होने पर उसे पैर के अंग से रीप्लेस किया जा सकता है। **संपर्क सूत्र**
डॉ. जी. एस. कालरा मो. 9829050655

मेरा भारत महान
76th आजादी का अमृत महोत्सव
दीनदयाल वाधवानी
Raja Sahab
His & Hers Store
Raja Park, Jaipur. Ph. : 2623001-002

अग्रवाल हॉस्पिटल, टोंक
स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
पार्क प्लाजा सिटी सवाई माधोपुर रोड, टोंक, राजस्थान
मो 7737354933, 01432-253903
PM-JAY
चिरंजीवी
मुख्यमंत्री राजश्री योजना
जननी सुरक्षा योजना

World Class NEURO FACILITY IN RAJASTHAN
NEURO CARE HOSPITAL & Research Centre Pvt. Ltd.
DIRECTOR Dr. Nemi Chand Poonia
Facility Vision of Excelence Mission to Save Lives
- 13 Bedded ICU with 24 Hrs. Unit
- Ambulance Services
- 24*7 Medical Store and emergency Services
- All kind of Neuro Surgery
- Round the clock Lab/ Digital X Ray/C. T. Scan/ M.R.I. & C-Arm
- Neuro Endoscope for Cranial and SpinalSurgery
- Highly Equipped Critical Care
- World Class Modular Operation Theatre
- Neuro Navigation System Cranial and Spinal Navigation
- Haag Streit Surgical Operating Microscope Model-hs20-1000gm & Sonopet (CUSA)
- A.C. / Super Deluxe Rooms / Twin Sharing Deluxe Rooms
1/611 Sector 1, Vidhyadhar Nagar Jaipur
PH: 0141-2236712, 9983300286

Manik Chand & Sons (Jewellers) Pvt.Ltd
Platinum, Diamond, Gold, Sliver, Pearl & Watches
Christian Basti, G.S. Road, Guwahati
Assam - Mob- 96780-68944
Email : info@mcj.net.in
Website : manikchandjewellers.com

आधुनिक लेजर नेत्र चिकित्सा में राज्य का गौरव
स्माईल लेसिक
चश्मा हटाने का राज्य में एकमात्र स्थान
SMILE LASIK
बिना फ्लेप, बिना ब्लेड लेजर द्वारा चश्मा हटाना, पतले कार्निया के लिए भी अधिक सुरक्षित
VisuMax Laser
राज्य/केन्द्र सरकार कर्मचारियों, पेन्शनर्स एवं मेडिकल के लिए अधिकृत नेत्र चिकित्सालय
डॉ.वीरेन्द्र लेजर, फेको सर्जरी सेन्टर
टोंक फाटक, फोर्ड शोरूम के पीछे,टोंक रोड़, गांधी नगर, जयपुर
9829017147, 9414043006 www.newsperfectvision.com

VAISHALI HOSPITAL & SURGICAL RESEARCH CNTER
EMINENT EXCELLENT EXPERIENCED PHYSICIAN
Dr. Govind Saini | MD | MBBS | FCCS (USA) | (Managing Director)
VAISHALI HOSPITAL & Surgical Research Center
69, Nand Vihar, Main Amrapali Marg, Vaishali Nagar, Jaipur
Mob- 7023004355, 8769760077

उपचार से बेहतर है रोकथाम, स्वस्थ शरीर के लिए व्यायाम

"विचार" ॐ जिन्दगी की परिभाषा समझें...

पंकज अंबा

कई बड़े लोग इस संसार में आये और आकर जिन्दगी की परिभाषा समझा कर चले गये। कोई इसे पानी का बुलबुला कहता है तो कोई कुछ। मेरी समझ में जिन्दगी एक खेल है। एक ऐसा खेल जिसमें खेलने वाले तुम, प्रतिद्वन्दी भी तुम और खेल के रेफरी भी तुम ही हो।

एक ऐसा खेल जिसका अंत तुमको पता है। जैसे दौड़ के खेल में सब लोग दौड़ते हैं, कई लोग दौड़ते हैं सबको अपना लक्ष्य पता है कि वहाँ हमारी दौड़ खत्म हो जायेगी लेकिन फिर भी अंधाधुंध बिना लक्ष्य के दौड रहे हो।

कई लोग जिंदगी के खेल को दौड़ कर जीतने की कोशिश करते हैं तो कई लोग बेईमानी से जीतने की। मेरा कहना है कि खिलाडी बनना है, तो ऐसे बनो जैसे दौड़ के आखिरी खिलाड़ी तुम हो, जो यह जानते हुये भी कि वो हार चुका है पर पूरे मन से दौड़ कर ही खेल को खत्म करता है, ना कि पैदल चल कर। जब तुमको अपना लक्ष्य पता ही है तो खेल को सफल तरीके

से खेलो जीत नहीं पाओगे तो क्या हुआ तालियाँ तो बजेंगी ही।

ध्यान से देखो जब तुम कोई गलत काम करते हो तो तुम्हारे अंदर का रेफरी तुमको तुरन्त टोक देता है, अगर उस रैफरी का कहना मान लिया तो साफ सुथरे रहोगे वरना इतनी परतें चड़ जायेगी कि अपना चेहरा देखना भी मुश्किल हो जायेगा फिर जब अपने लक्ष्य पर शीशा टूटता है तब उसके टूटे किनारों में ही अपनी शक्ल देखने को मिलती है तब तुम चौंकते हो अरे! मैं क्या इतना सुंदर साफ सुथरा था, तो आओ इस शीशे पर परत ना चढ़ने देवें।

घबराओ नहीं अब भी समय है परत चढ़ गयी तो क्या हुआ क्योंकि तुम्हारे पास एक और चीज है जागना, जाग कर ध्यान लगा कर उस परत को साफ करने में लग जाओ क्योंकि जागना तो तुम्हारे हाथ में ही है।

आगे सोने को काफी समय मिलेगा पर जागने का नसीब अभी भी है। हर पल मैं तेरा इम्तिहान लेता हूँ जैसे जैसे तू पास होता जायेगा मेरे पास आता जायेगा।

सम्पर्क सूत्र - पंकज अंबा
मो. 9829353757

जानवर के काटने पर प्राथमिक चिकित्सा जरूरी

डॉ. राजेन्द्र धर

अकसर जानवर या कीड़े-मकोड़े तब तक नहीं काटते, जब तक उन्हें छेड़ा न जाए। इसके बावजूद यदि गुस्से में कुत्ता काट खाए या मधुमक्खियां पीछे पड़ जाएं तो इस बारे में निम्स हॉस्पिटल के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं जयपुर के प्रसिद्ध फिजिशियन डॉ. राजेन्द्र धर का कहना है। घायल होने पर तुरंत इमरजेंसी सेवाएं लेना ठीक रहता है। कीड़े-मकोड़ों के काटने या डंक मारने पर हलका-सा घाव ही बनता है।

उन्होने कहा कि इसमें मामूली से फर्स्ट एड के जरिए दर्द से राहत मिल जाती है। मगर जानवर (या आदमी) के काटने पर चिकित्सा की जरूरत पड़ सकती है। जानवरों के मुंह में मौजूद जीवाणु काटे जाने पर लार के जरिए मनुष्य के शरीर में प्रवेश कर जाते हैं। सांप के काटने पर जहर फैलने का खतरा और भी बढ़ जाता है। कीड़े-मकोड़े, बिच्छू या कुत्तों के काटने पर फर्स्ट एड के बाद आगे आनेवाले खतरों से बचाव के उपाय प्रारंभ करें। किसी भी दिखाई देन वाले घाव या दर्द के लक्षण इत्यादि का उपचार करें, ताकि आगे होने वाले संक्रमणों से बचा जा सके। यदि उपचार की जरूरत हो, तो मरीज को अस्पताल पहुंचाने में देर न करें। डॉ. धर ने कहा कि जानवर या कीड़े-मकोड़े के काटने की तारीख और घाव के प्रकार को नोट कर लें। काटनेवाले कीट को पहचानने की कोशिश जरूर करें।

जानवर के काटने पर - जानवरों और मनुष्यों का मुंह जीवाणुओं व विषाणुओं का घर है। जोर से दांत गड़ा कर काटने पर गहरे घाव बन जाते हैं और जीवाणु भी शरीर में गहराई से प्रवेश कर जाते हैं। जानवरों की बात अलग है, मनुष्य के काटने से भी कोशिकाएं नष्ट होती हैं। गहरे घाव होने पर तुरंत अस्पताल ले जाने की जरूरत पड़ सकती है। किसी प्रकार से भी काटने पर यदि त्वचा कटती है, तो तुरंत प्राथमिक चिकित्सा जरूरी है। इस प्रकार के घावों में संक्रमण की आशंका बढ़ जाती है। रैबीज में कई किस्म के वायरल संक्रमण छुपे होते हैं, जो सीधे तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करते हैं। रैबीज जानवरों की लार से फैलता है। यदि कोई कुछा लोगों को बार-बार काट रहा हो, तो नगरपालिका में रिपोर्ट करवाएं। वह पागल हो सकता है।

उपचार- घाव से खून बहने से रोकना पहला लक्ष्य होना चाहिए। संक्रमण का खतरा कम करने की कोशिश करें। चिकित्सा में देर न करें। घाव को बहते पानी और साबुन से धोएं। थपथपा कर सुखाएं और हलकी पट्टी बांधें। डॉक्टर को दिखाएं। गंभीर रूप से काटने पर घाव को साबुन से धोने के बाद खून बहने से रोकने के लिए कटे हुए भाग को ऊंचा उठाएं। हलकी-सी पट्टी बांध सकते हैं, ताकि घाव में धूल इत्यादि न बैठे। बंदर, कुत्तों, बिल्ली और घोड़े के काटने पर इंजेक्शन लगवाना बहुत जरूरी होता है।

संपर्क सूत्र डॉ. राजेंद्र धर - मो. 9414073962

दादी मां के नुस्खे

सहारा आयुर्वेदिक सेंटर के डॉ. अशोक शर्मा का कहना है कि मानव शरीर के रोगोपचार में कई बार घरेलू नुस्खे बहुत कारगर होते हैं।

तेजी से गिर रहे हैं बाल

आजकल हर कोई बाल झड़ने की समस्या से परेशान है। एक बार बाल झड़ने शुरू हो जाएं तो लोगों को ये समझ ही नहीं आता कि क्या करें। किस तरह इसे रोका जाए। अगर आप भी इसी तरी की परेशानी से दो-चार हो रहे हैं, तो हम आपके लिए लाए हैं दादी मां के नुस्खे

ये काम शुरू करें

- हर रोज सात घंटे की गहरी नींद लें।
- पर्याप्त पानी पीएं।
- प्रोटीन युक्त आहार का सेवन करें.
- सिर की गुनगुने तेल के साथ मालिश करें। हफ्ते में तीन बार.
- ताजे फल और सब्जियां खाएं.
- मेथी दाने को रात भर भिगोकर सुबह पीसकर बालों में लगाएं। हफ्ते में एक बार।
- सप्ताह में एक बार जैतून का तेल लगाएं।
- प्याज का रस लगाएं। फिर सूखने पर धो दें।
- आंवले का सेवन करें।
- केला और नींबू का रस मिलाकर बालों में लगाएं.
- एलोवेरा, नींबू का रस और आंवले का रस मिलाकर बालों में लगाएं।
- बादाम के तेल को थोड़ा सा गर्म करें। हल्के हाथों से बालों में मसाज करें। अगले दिन नहाते वक्त धो लें।

संपर्क:
डॉ. अशोक कुमार शर्मा
मो. 9314512311

उपरोक्त नुस्खे चिकित्सक की सलाह से ही लें।

बिखरे हुए मोतियों को पिरोकर एक माला का रूप दिया...

आदर्श विद्या मंदिर के भूतपूर्व छात्रों और गुरुजनों का पारिवारिक मिलन समारोह सम्पन्न

आदर्श विद्या मंदिर के भूतपूर्व छात्रों के साथ आज गुरुजनों और वर्तमान में पढ़ रहे छात्रों का सानिध्य प्राप्त हुआ। गुरु जी धर्म दत्त शर्मा के मार्गदर्शन और प्रवीण अरोड़ा के नेतृत्व एवम आलोक कौशिक की सुव्यवस्था ने छात्रों को एक सूत्र में जोड़ा। तुलसी संगतानी ने मंच को बखूबी संचालित किया और दीपक शर्मा ने लजीज भोजन को परोस कर सबको तृप्त किया। इस अवसर पर हमारे सहपाठी राम जाने की लिखित पुस्तिका डू यू नो सिमरन जारा का विमोचन हमारे स्कूल के साथी पूर्व विधायक अशोक परनामी ने किया। समारोह में गीतों का सत्र के साथ अतीत को याद किया गया। अतीत को याद कर सभी छात्र भाव विभोर हुए और ऐसे आयोजन की सराहना की।

नारंग ने कहा कि इस प्रोग्राम को देखकर ऐसा लगा जैसे बिखरे हुए मोतियों को पिरोकर एक माला का रूप दिया गया हो। कार्यक्रम में सभी उम्र के आदर्श विद्या मंदिर के पूर्व साथी एकत्र हुए और अपनी यादें साझा की। अनेक साथी कई वर्षों बाद आपस में मिले जिससे उनके हदय गदगद हो गए एक भाई तो अपने सहपाठी से 50 वर्ष बाद इस कार्यक्रम में मिला उसका कहना था हम तो ऐसे मिले जैसे कुंभ के मेले में बिछड़ गए हो। एक साथी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम पहले क्यों नहीं हुए इस अगुवाई के लिए गुरुजी धर्म दत्त शर्मा का उन्होंने आभार व्यक्त

किया। गोठ कार्यक्रम तो सभी समाज और संगठन में देखने को मिलते हैं लेकिन इस कार्यक्रम में अगुवाई कर रहे छात्रों की नेतृत्व कला और समर्पण निष्ठा अलग ही अंदाज में देखने को मिली जिसके कारण यह भव्य कार्यक्रम संपन्न हो सका।

गुरुजी धर्मदत्त शर्मा के विचार कुछ इस प्रकार व्यक्त हुए....

आज का कार्यक्रम बहुत शानदार रहा तुलसी भैया का मंच संचालन आलोक कौशिक, प्रवीण अरोड़ा, रणवीर, संदीप झा, धर्मवीर भाटिया, श्रीमती भाटिया, गुलशन खत्री, संजीव जैन, भारत भूषण शर्मा के गायन ने समा बांध दिया। कई अपने पूर्व छात्र ऐसे रहे हैं जिनके गायन को मैं सुन नहीं सका क्योंकि मेरा बार-बार बाहर जाना या अन्य व्यवस्था के लिए भागना पड़ता था।

70 करोड़ की लागत से बनेंगे 9 अस्पताल भवन, 6 सीएचसी और 3 उप जिला हॉस्पिटल

बारां में स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के लिए अब 6 सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र और 3 उप जिला अस्पतालों का निर्माण जल्द शुरू होगा। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया अन्तिम दौर में है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के निर्माण पर करीब 30 करोड़ और तीनों उपजिला अस्पतालों के निर्माण पर करीब 40 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के माध्यम से इनका निर्माण अब सितम्बर महीने में शुरू होने की उम्मीद है। एनएमएच अधिकारियों ने बताया जिले में रेलावन, कुंजेड़, परानियां, कोयला, कस्बाथाना और छबड़ा के मोतीपुरा में प्रत्येक केन्द्र के निर्माण पर 4.55 करोड़ रुपए की लागत आएगी।

नल, बिजली जैसे अन्य कार्य इसमें शामिल नहीं हैं। छबड़ा के मोतीपुरा केन्द्र के निर्माण पर 3.95 करोड़ रुपए ही खर्च होंगे, लेकिन एक करोड़ से अधिक की लागत से यहां अन्य कार्य होंगे। एईएन अरविंद गुप्ता का कहना है कि अब सामुदायिक और उप जिला अस्पतालों के निर्माण की प्रक्रिया अंतिम दौर में है। एनएचएम के जयपुर निदेशालय से सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद कार्यादेश जारी कर सितम्बर महीने में कार्य शुरू करा दिया जाएगा।

आजादी के अमृत महोत्सव मनाया दी केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन ने

फ़िल्म कॉलोनी मे किशनपोल विधानसभा के क्षेत्रीय विधायक जनाब अमीन कागजी के द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष मे दी केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट एसोसिएशन (रजि) जयपुर के सदस्यों के द्वारा घर घर तिरंगा झंडा अभियान के पोस्टर का विमोचन किया! दी केमिस्ट ड्रगईस्ट एसोसिएशन (reg) जयपुर के अध्यक्ष अमरीश कौशिक सचिव नवीन संघी जी, सह सचिव सुधीर नाटणी, सह सचिव राजीव श्रीवास्तव व फ़िल्म कॉलोनी के वरिष्ठ केमिस्ट साथी मौजूद रहे। इस अबसर पर राजस्थान फार्मेसी कौंसिल के अध्यक्ष श्री महावीर सोगानी जी व जयपुर के विभिन्न क्षेत्रों से केमिस्ट पधारे।

क्या शाम होते ही चाय को मिस करने लगते हैं आप ?

शाम को चाय कौन पी सकता है

ऐसे लोग जो रात की शिफ्ट में काम करते हैं, वे चाय पी सकते हैं। एसिडिटी या गैस्ट्रिक की प्रॉब्लम्स हैं तो शाम की चाय पी सकते हैं। पाचन दुरुस्त नहीं है तो आप शाम को चाय पी सकते हैं। कभी-कभी चाय पीने वाले भी शाम को चाय पी सकते हैं। नींद की समस्या से परेशान हैं तो शाम की चाय फायदेमंद हो सकती है। रोजाना समय पर खाना खाने वाले भी शाम को चाय पी सकते हैं। जिन्हें चाय की लत नहीं और रोजाना सिर्फ आधा या एक कप ही चाय पीते हैं, वे भी शाम को चाय पी सकते हैं।

शाम की चाय किसे नहीं पीनी चाहिए

नींद खराब होना या नींद न आने की समस्या से परेशान लोगों को शाम की चाय नहीं पीनी चाहिए। ज्यादा टेंशन लेने वाले और चिंता वाली लाइफ जीने वालों को शाम की चाय से परहेज करना चाहिए।ड्राई स्किन या ड्राई हेयर की प्रॉब्लम से जूझ रहे हैं तो शाम की चाय अवॉयड करें।

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं
PRAKASH MEDICALS
PRAKASH NAYAK
173, Tilla No - A Jawahar Nagar Delhi Byepass Jaipur

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं
दुलेत हॉस्पिटल
कार्डियेक केयर सेन्टर
डॉ. एम.एस. दुलेत
मो. 98285-41187
10, 11, नीर सागर कॉलोनी भांकरोटा, अजमेर रोड, जयपुर फोन 01416051187

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
SHARDA HOSPITAL
Dr. Sudhir Sharda
Dr. Rashmi Sharda
1/37, New Vidhyadhar Nagar Jaipur
Mob 9829016014

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
SUSHILA COSMETIC & DENTAL HOSPITAL
Dr. M.K. Dadarwal BDS, MDS
JDA, Shopping Complex, Opp. Goyal Marriage Garden, Kedia Palace Road, Murlipura, Jaipur 9799421477

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
श्री श्याम क्लिनिक
डॉ. भरत कुमार अग्रवाल
एफ-6 गिरधर कॉलोनी, मनीपाल हॉस्पिटल के सामने, सीकर रोड, मुरलीपुरा, जयपुर
मो.9829301573, 9214991290

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
Rajeev Jain
Secretary
Jaipur Chemist Association
Jaipur
Mo: 9414045220
Geet Medicals
Geet Enterprises

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
Dr. CHAUHAN ORTHOPAEDIC CENTRE
Dr. A.S. CHAUHAN
S-7 Scheme, Near Ambabari Bridge, Jaipur
Mob - 2338349, 2338439

सूचना
हैल्थ व्यू में प्रकाशित लेख लेखकों के अपने विचार हैं और केवल आपकी जानकारी के लिए है कोई भी लेख पर अमल करने से पूर्व अपने चिकित्सक से परामर्श अवश्य कर लें। हैल्थ व्यू के सम्पादक, प्रकाशक व मुद्रक का उनसे सहमत होना आवश्यक नहीं है।
THE EDITTORIAL BOARD DOES NOT ENDORSE ANY PRODUCTS ADVERTISED IN THIS NEWSPAPER.
किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र केवल जयपुर होगा।

प्रत्येक अंतिम शनिवार को नि:शुल्क एक्युप्रेशर व रेकी चिकित्सा जिसमें शारीरिक, मानसिक व चर्म से संबंधी रोगों का उपचार होगा।
संपर्क सूत्र
आकृति क्लिनिक
डॉ. पमिला छाबड़ा
मो. : 9829735666
रेकी व एक्युप्रेशर प्रशिक्षण हेतु संपर्क करें

निम्ट कॉलेज ऑफ फिजियोथेरपी
Recognized by the Medical & Health Department, Govt. of Rajasthan
(Affiliated to Rajasthan University of Health Science)
MBBS में सेलेक्शन नहीं हुआ, निराश न हो शानदार मेडिकल कैरियर विकल्प है। ADMISSION OPEN
बीपीटी-बैचलर ऑफ फिजियोथेरापी
Become a Doctor of Physiotherapy
कॉलेज द्वारा छात्रवृत्ति प्रत्येक छात्र को
Internationally Recognized Degree in Faculty of Medicine
Duration : 4 Years & 6 months internship
Eligibility : 10+2 PCB with minimum 45%
Age : Minimum age 17 Years as on 31st Dec.
Scholarship : Scholarship provide as per Govt. policy SC/ST, SBC, OBC-BPL & Others.
CONTACT
52 फुट हनुमान जी, बगराना, आगरा रोड, जयपुर-302012
मो.-9928592235, 9829031341,
www.nimtconpms.com

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
H.N. NURSING HOME
चूरू क्षेत्र का एक विश्वसनीय केन्द्र
DR. MUMTAJ ALI
Churu- Raj. 9414084525

LIFE SAVER
A SHOP OF LIFE SAVING DRUGS
STOCKISTS FOR
Cancer & Cardiac Medicines, Disposable Surgery Items Nutrition Fluids
168, Nehru Bazar, JAIPUR
Tel Ñ 2313129, 2310483, 2313281, Mob Ñ 98290-14267
DELIVERY FACILITY AVAILABLE

जयपुर न्यूक्लियर इमेजिंग सेन्टर
बी-71, दूध मिष्ठान भण्डार के पास, लाल कोठी, सहकार मार्ग, जयपुर, मो. 8440077007, 8440077001 फोन 0141-2741211
हम है सबसे आगे... (आधुनिक विधि, श्रेष्ठतम व नवीन उपकरण, कम खर्च)
Facility Available
• PET CT FDG • PSMA • DOPA • DOTA
• GAMMA IMAGING • DTPA • DMSA • THYROID SCAN • STRESS MYOCARDIAL PERFUSION IMAGING (STRESS THALLIUM) • BONE SCAN • HEPATOBILIARY SCAN (HIDA) • GI BLEEDING SCAN
• RADIONUCLIDE THERAPES • INTERVENTIONAL RADIOLOGY
• MRI DIGITAL 1.5 T • 192 SLICE SIEMENS CARDIAC CT SCAN
• ULTRASOUND COLOUR DOPPLER • 2 D ECHO • HOLTER • CTMT
• DIGITAL XRAY MAMMOGRAPHY • CONE BEAM CT SCAN • BMD
• COMPUTERISED ROBOTIC HIGH END UPDATED LAB • REAL TIME PCR SET UP
RGHS, CGHS, ECHS रेल्वे के लिये अधिकृत चिकित्सा जाँच केन्द्र
आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित NABL से प्रमाणित निदान केन्द्र
डी. के. एम. डायग्नोस्टिक सेन्टर
लता सर्कल, कालवाड़ रोड़, जयपुर, मो. 8440077007, 8440077001 फोन 0141-2741211

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
MEDILAB
A Unit : Kulhari Diagnostic & Research Centre Pvt.Ltd.
Near Mahila Haspital & BMB, Outside Sanganeri Gate, Jaipur
KULHARI DINGNOSTIC & RESEARCH CENTER PVT.LTD.
63-A, Gangwal Park, Near J.K. Loan, jaipur Ph. 2601290 Mo. 9602067185
Facilities : Sonography - Colour Doppler and 2-D Echo, Digital X-Ray, HSG, ECG, Pathology, Bio-Chemistry, Elisa, Serology, Culture Etc.

MAHAVEER DIAGNOSTIC
Super Speciality Lab
Thyroid ♦ Harmones ♦Tumour Markers ♦ Infertility/ Pregnency Hormones♦ Torch ♦ Metabolic Hormones ♦ Druf Assays
Dr. Manoj Jain
Mob. 94144-60959
ECHO & COLOR DOPPLER CENTRE
Whole Body Color Doppler Study, 2 D Echo- Adult & Paediatric, Carotid Doppler, Peripheral & Renal Doppler, Small Parts - Penile Doppler, Fetal Doppler & Echo
Manav Ashram, Gopalpura Mod, Jaipur Ph: 2704787

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
CHOICE
X-RAY & DIAGNOSTIC CENTRE
सोनोग्राफी एक्स-रे, ई.सी.जी. खून मल-मूत्र वीर्य आदि की जांच हेतु आधुनिक लेबोरेट्री
B-499-A, Near SBBJ Bank, 60 Feet Road Mahesh Nagar, Jaipur-6
Ph : 1041-2502564, 3261670
Mob : 9414388405

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
ASHOKA FURNISHINGS
G.S Road, Guwahati-5,
Tel - 0361-2457801-02,
Babu Bazaar, Fancy Bazaar Guwahati-1
0361-2637326
31, Sarawgi Mansion, M.I. Road, Jaipur,
Tel - 0141-2576526/2572505

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
VIJAY CLINIC
Dr. Narendra Bhojwani (B.Sc, BAMS)
Dr. Lalit Bhojwani (MBBS)
Skin Disease, Sexual Disease
Piles, Stone
Opp. C-2 Plaza Jhalana By Pass
Maliya Nagar, Jaipur-17
Mo. 982974499

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
माथुर हॉस्पिटल
सम्पूर्ण सर्जिकल एवं गायनोलाजिकल उपचार का केन्द्र
डॉ. विदित माथुर
रेडियोलोजिस्ट
डॉ. सुमिता माथुर
गायनोकोलोजिस्ट
सेक्टर तीन प्रताप नगर जयपुर मो. 9829793545

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
गौतम जैन
- अशोक फार्मा -
फिल्म कॉलोनी जयपुर
मो. 9314503865

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
LOKESH KUMAR
DINESH GASES
22 godam nr. laxmi dharam kanta JAIPUR 9829168437

सही समय पर पहचान एवं उपचार से कैंसर को हराना है संभव : ओम बिरला

- बीएमसीएचआरसी एवं कैंसर केयर का 20वां कैंसर विजेता दिवस समारोह आयोजित
- लोक सभा अध्यक्ष ने कैंसर विजेताओं का किया सम्मान

भगवान महावीर कैंसर चिकित्सालय एवं अनुसंधान केन्द्र और कैंसर केयर की ओर से 20वां कैंसर विजेता दिवस समारोह आयोजित हुआ। इस मौके पर कैंसर विजेताओं ने अपनी प्रस्तुतियों के जरिए कैंसर जागरूकता का संदेश दिया।

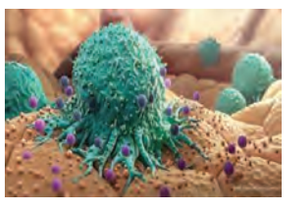

कैंसर रोग का उपचार करवा रहे रोगियों के मनोबल को बढ़ाने और कैंसर की जंग जीत चुके विजेताओं को सम्मानित करने के उद्देश्य से आयोजित इस समारोह के मुख्य अतिथि लोक सभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि यह विजेता कैंसर रोग के प्रति समाज में जागरूकता लाने में सबसे अहम भूमिका रखते है। इस मौके पर ओम बिरला ने चिकित्सालय को इस तरह के आयोजन कर समाज में जागरूकता लाने के लिए बधाई दी।

कैंसर केयर की संरक्षिका सुनीता गहलोत ने कैंसर विजेताओं के हौसलों की प्रशंसा करते हुए इस तरह के आयोजनो को महत्वपूर्ण बताया। समारोह की विशिष्ट अतिथि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव शुभा सिंह, आईएएस ने कहा कि इतने कैंसर विजेताओं को एक साथ एक मंच पर आना इस चिकित्सालय के सफलता की कहानी को बयां करता है। इस मौके पर चिकित्सालय के अध्यक्ष नवरतन कोठारी वरिष्ठ उपाध्यक्षा अनिला कोठारी, उपाध्यक्ष संजय कोठारी, कोषाध्यक्ष डॉ प्रेमसिंह लोढा, अधिशासी निदेशक मेजर जनरल एससी पारीक (सेवानिवृत्त), चिकित्सालय ट्रस्ट के सदस्यों सहित शहर की कई नामी हस्तियां मौजूद थी। कैंसर विजेता एवं थिएटर आर्टिस्ट रूची गोयल की टीम द्वारा नाटक का मंचन किया गया। इस नाटक के जरिए उन्होंने कैंसर से लड़ाई के दौरान रोगी के जीवन में आने वाले अनुभवों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। इसके साथ ही कैंसर विजेता डॉ ज्योति जोशी और यश ने अपनी जीत के सफर को बताते हुए आमजन को इस रोग के प्रति जागरूक कर, इससे जुड़े भ्रमों को दूर किया। इस मौके पर 1998 के कैंसर विजेता मदन मोहन शर्मा और 2001 की कैंसर विजेता प्रेमलता सांड को सम्मानित किया गया।

सर्वे भवंतु सुखिनः सर्वे संतु निरामया।
सोच बदलनी होगी यह कहावत शाश्वत सत्य है। सभी सुखी हों सभी रोग मुक्त रहें हम सभी मंगलमय घटनाओं के साक्षी बने और किसी को भी दुख का भागी न बनना पड़े।

श्रृंखला 34

लिव-इन रिलेशनशिप

समाज के लिए है अभिशाप

डॉ मान सिंह भांवरिया

ॐ
शांति शांति शांति

इसका उच्चारण करके देखो कितनी शांति प्राप्त होगी। आज हम इस मुहावरे के अनुसार आपको जीवन जीने के तरीके के बारे में बताएंगे। हम जिस आपाधापी और भागदौड़ वाली जिंदगी में जीवन यापन कर रहे हैं सोच बदलनी होगी। कुछ बिंदुओं के द्वारा हमने जीवन को सही मार्ग पर लाने के लिए समझाने की कोशिश की है।

आजकल देखने में आ रहा है कि लिव इन रिलेशनशिप का प्रचलन बढ़ता जा रहा है यह क्यों बढ़ता जा रहा है इस पर गहन अध्ययन करना जरूरी है। यह हमारी संस्कृति के विरुद्ध है। यदि विवाह जैसे रहना ही है, तो फिर विवाह ही क्यों नहीं कर लेते। विवाह से पहले साथ रहने की क्या आवश्यकता है।

बहुत से लड़के लड़कियां कॉलेज लाइफ में ही लिव इन रिलेशनशिप अपनाने लगे हैं यह एक गलत सोच का नतीजा है यह लड़के लड़कियां अपने माता-पिता की जानकारी के बिना यह रिलेशनशिप अपनाते हैं इसके उन्हें भविष्य में दुष्परिणाम भुगतने पड़ेंगे इसका गुमान उन्हें नहीं है।

फिर इसकी क्या गारंटी है कि लाइव इन में साथ रहने के बाद धोखा नहीं होगा। आजकल वैध विवाह के बाद ही कई घरेलू हिंसा का शिकार हो रहे है। चाहे युवक हो या युवती दोनों ही प्रताड़ित होते है। ऐसे नैतिक पतन के वातावरण में लिव-इन रिलेशनशिप (साथ-साथ) में रहने वाली युवक युवती के प्रति क्या नहीं हो सकता है? इनमें से अक्सर युवतियां धोखा ही खाती हैं, उनके प्रति होने वाले दुराचार, बलात्कार, ठगी, लूट और

धोखा देने के कई उदाहरण मिलते हैं। इस विदेशी अंधानुकरण के उच्छृंखल आचरण से कई पाप पनपेंगे। सर्वोच्च न्यायालय का अभिमत- एक मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने लिव-इन रिलेशन पर 29 नवंबर 2013 को अपने निर्णय में कहा कि लिव-इन रिलेशन को न तो अपराध माना जा सकता है और न पाप माना जा सकता है। किंतु इसको वैधानिक भी नहीं माना जा सकता है, क्योंकि कोई कानून नहीं है और न इसे नैतिक माना जा सकता है। इसके कई दुष्परिणाम हुए हैं और भविष्य में कई समस्याएं पैदा हो सकती हैं इसलिए इसको प्रथा नहीं बनने देना चाहिए। सोच बदलनी होगी कि लिव इन रिलेशनशिप जरुरत क्यों। सर्वोच्च न्यायालय का निर्देश- उपर्युक्त मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने लिव-इन रिलेशनशिप की प्रथा के दुष्परिणामों के कारण यह निर्देश दिया कि 'लव-इन रिलेशन' में रहने वाली महिलाओं का संरक्षण करने के लिए संसद को कानून बना देना चाहिए। **संपर्क सूत्र डॉ. मान सिंह भांवरिया**
मो. 9672777737

हॉस्पिटलों में चोरी

संपादकीय

अभी तक तो यही सुनने में आता था कि घरों, प्रतिष्ठानों, आदि में ही चोरियां होती थीं परंतु अब तो रोगियों को जीवन देने वाले अस्पतालों मेंभी चोरियां होने लगी है, जिसके चंद उदाहरण निम्न हैं।

8 अगस्त को जयपुर (राजस्थान) में चांदपोल जनाना अस्पताल की पार्किंग में खड़ी कार के शीशे तोड़ कर चोर उसमें रखे 30,000 रुपए ले उड़े। 5 अगस्त को केंद्रीय रेलवे अस्पताल, जबलपुर (मध्य प्रदेश) के स्टोर रूम में स्टाक के मिलान के दौरान विभिन्न बीमारियों के इलाज में काम आने वाले 5.30 लाख रुपए मूल्य के इंजैक्शनों की चोरी का पता चला। 25-26 जुलाई की दरम्यानी रात को कपूरथला (पंजाब) के गांव 'मोठांवाला' स्थित सरकारी अस्पताल के बाथरूम से चोर टूटियां, ब्लड प्रैशर जांचने तथा भार तौलने वाली मशीनें आदि चुरा कर ले गए।

18 जुलाई को मुम्बई स्थित एक बड़े अस्पताल में उपचाराधीन सांस की तकलीफ से गंभीर रूप से पीड़ित बुजुर्ग महिला को आई.सी.यू. में लेकर जाते समय उसका मंगलसूत्र और अंगूठी चुरा ली गई। 11 जुलाई को अल्मोड़ा (उत्तराखंड) के जिला अस्पताल में एक्सरे करवाने के लिए अपनी बारी की प्रतीक्षा कर रही महिला को एक ठग ने एक्सरे से पहले मंगलसूत्र उतारने को कहा और लेकर चलता बना। 5 मई को फिरोजपुर (पंजाब) स्थित सरकारी अस्पताल से चोर वहां लगे एयर कंडीशनरों के 20 पाइप तथा दूसरी फिटिंग्स उतार कर ले गए। 29 अप्रैल को शामली (उत्तर प्रदेश) स्थित सरकारी अस्पताल से एक कूलर, डस्टबिन, पानी की मोटर तथा हजारों रुपए मूल्य का अन्य सामान चुराने के आरोप में 2 बदमाशों को गिरफ्तार किया गया। 11 जनवरी को बेंगलुरु (कर्नाटक) स्थित 'सेंट फिलोमिना अस्पताल' की एक नर्स लक्ष्मी को वहां उपचाराधीन रोगियों के लाखों रुपए मूल्य के आभूषण चुराने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। अस्पतालों में बीमार लोग अपनी तकलीफों से छुटकारा पाने जाते हैं, ऐसे स्थानों पर भी अपराधी तत्वों द्वारा ऐसी वारदातें करना मानवता के प्रति घोर अपराध है। दरअसल संस्कारों की कमी के चलते और शासन-प्रशासन द्वारा बेरोजगारी को दूर करने के लिए कोई ठोस खत्म न उठाने के कारण ऐसा हो रहा है। अत: ऐसे लोगों को कठोरतम दंड दिया जाना चाहिए।

हैल्थ हंगामा

एक डॉक्टर साहब को शेरों शायरी का चस्का लग गया, धीरे-धीरे इतना बढ़ा कि वह मरीजों को हिदायतें भी शायरी की शक्ल में ही देने लगे. कुछ नमूनों पर गौर फरमाइयेगा...
दिल मेरा टूटा गया उठी जब उसकी डोली, सुबह दोपहर शाम बस एक-एक गोली
.....
एक अमेरिकी डॉक्टर भारत आया, बस स्टैंड पर एक किताब देखते ही उसे दिल का दौरा पड़ गया। बीस रुपए की इस किताब को नाम था तीस दिन में डॉक्टर कैसे बनें।
.....
आपने कभी सोचा है ? अस्पताल में ऑपरेशन से पहले मरीज को बेहोश क्यूं किया जाता है? अगर बेहोश नहीं किया और मरीज ऑपरेशन करना सीख गया तो डॉक्टरों को कौन पूछेगा।

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
Chandra Bhan Hospital & Maternity Centre
Dr. Gunjan Sharma
MS Gynae
प्रसूति एवं सभी प्रकार की सर्जरी की सुविधाएं
D-18 Sunder Vihar, Swej Farm,
Sodala, Jaipur 9314064350

हैल्थ व्यू परिवार कि और से स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

विज्ञापन के लिए संपर्क करें
मोबाइल
98290 66272

JANGID HOSPITAL
Nawalgarh, Jhunjhunu Distt.
झुझंनु जिले के निवासियों की स्वास्थ्य रक्षा का प्रहरी
Dr. Manish Sharma
Consultant Anaesthesiologist & Intensivist
Mo: 9414402800, Ph: 1594-225500

सत्यमेव जयते
राजस्थान सरकार

आज़ादी का अन्नपूर्णा महोत्सव
76 वीं
वर्षगांठ के शुभ अवसर पर
'कोई भूखा न सोए'
की संकल्पना को साकार करते हुए
माननीय मुख्यमंत्री, राजस्थान
श्री अशोक गहलोत द्वारा
प्रदेश में
मुख्यमंत्री नि:शुल्क अन्नपूर्णा फूड पैकेट योजना
का शुभारंभ

1 करोड़ से अधिक परिवारों को होगा लाभ।
25000 से अधिक वितरण केंद्र (उचित मूल्य की दुकान)
सहकारिता विभाग, राजस्थान

DO YOU KNOW

भोजन की भूमिका

भोजन की अपनी अजब भूमिका है, हर जीव का भोजन अलग हो सकता है लेकिन भोजन बैगर जीवित नहीं रह सकता। जीवित रहने के लिए हवा और पानी के बाद सबसे जरूरी होता है भोजन। छोटे से छोटे कीट पतंगो से लेकर बड़े से बड़े जीवों के लिए भोजन समान रूप से आवश्यक है। यहां तक कि वनस्पतियों को भी भोजन की आवश्यकता होती है। सामान्य रूप से कोई व्यक्ति बिना भोजन के एक सप्ताह से अधिक जीवित नहीं रक सकता है।

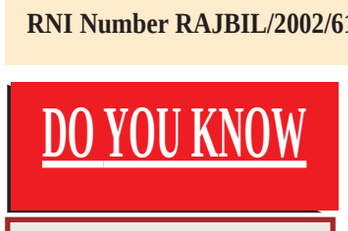

हालांकि इसके कुछ अपवाद भी है। भोजन से हमें ऊर्जा मिलती है। काम करने के कारण हमारे शरीर की कोशिकाओं और ऊतकों का जो ह्रास होता है, उसकी भरपाई भोजन से प्राप्त ऊर्जा से होती है। इसके अलावा शरीर के विकास के लिए भी भोजन आवश्यक होता है।

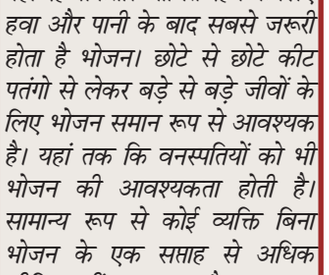

कुछ ऐसे जीव होते हैं जो अपने शरीर में भोजन संग्रहीत कर रख सकते हैं और उसके सहारे लम्बे समय तक जीवित रह सकते हैं, लेकिन मनुष्य पेट में भोजन संग्रहीत नहीं कर सकता है। भोजन हमारे रक्त प्रवाह के लिए आवश्यक है। भोजन से ही हमारे रक्त के सभी आवश्यक तत्वों का निर्माण होता है।

मेडिकल साइंस की तरक्की के चलते अब चश्में से आजादी संभव

चश्मा हटाने की तकनीक ने चश्मा हटाकर जंहा एक तरफ उसके जीवन को सरल बनाया है वहीं चश्मा नहीं होने से व्यक्ति के आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होती है।

डॉ. वीरेन्द्र अग्रवाल

विश्व में आधुनिकतम तकनीक 'स्माइल' की शुरुआत हुई, इसके अंतर्गत फ्लेप बनाने तक की जरुरत तक खतम हो गई, बिना फ्लेप बनाए लेजर को एपिथिलियम परत की नीचे वाली परत पर प्रवेश करा कर प्रक्रिया सम्पन्न कराई जाती है। विशेष बात यह भी है कि कोर्निया की मोटाई की जरुरत और भी कम हो गई, यानि की कम मोटाई वाले कोर्निया के व्यक्ति भी इस तकनीक से अपनी आंखो की नजर के चश्में हटवा सकते है।

फ्लेप नहीं बनाने की वजह से फ्लेप से होने वाली जटिलताएं खतम हो गई। जैसे कि दर्द होना, आंखो से पानी बहना, दवाओं की जरुरत कम होना। इस प्रक्रिया में मात्र 5 मिनट का समय लगता है, इसमें कोई ब्लेड व फ्लेप का इस्तेमाल नहीं होने से रोगी को रीकवर की जरुरत नहीं। व्यक्ति दूसरे दिन से अपने नित्य कार्य करता है। स्माइल तकनीक द्वारा आंखो के चश्मे हटाने की शुरुआत राजस्थान में पहली बार इस केन्द्र में डॉ वीरेन्द्र अग्रवाल द्वारा की गई। डॉ. वीरेन्द्र अग्रवाल का कहना है कि जिस व्यक्ति के आंखो की नजर का चश्मा है, उसे पता होता है कि चश्में से उसे किन-किन समस्याओं का सामना करना पडता है, बारीश हो, आंधी हो, धावक हो, मोडलिंग के प्रोफेशन में, तैराकी में, शादी में अडचन आदि।

चश्मा खो जाए या टूट जाए तो समझ सकते हो उसकी क्या हालत होगी। ऐसे में चश्मा हटाने की तकनीक ने चश्मा हटाकर जंहा एक तरफ उसके जीवन को सरल बनाया है वहीं चश्मा नहीं होने से व्यक्ति के आत्मविश्वास में बढोतरी होती है। शुरु में पीआरके लेजर तकनीक आई थी, जिसकी अपनी सीमाएं थी। इसमें रोगी की कोर्निया में मोटाई की 60 माइक्रोन की उपरी परत जिसे एपिथिलियम कहा जाता है को ब्लेड द्वारा हटाया जाता था। यह प्रक्रिया के बाद रोगी आंख में दर्द की शिकायत सहनशील, आंखों में पानी की शिकायत और ड्राइनेस की शिकायत करता था। रीकवरी में टाइम लगता था। उसके बाद लेसिक लेजर प्रचलन में आया तो उसमें कोर्निया की उपरी परत 160 माइक्रोन को ब्लेड द्वारा एक फ्लेप बना कर लेजर प्रक्रिया सम्पन्न की जाने लगी, इसमें कोर्निया की मोटाई ज्यादा होने की जरुरत थी। इसके बाद फेमटो तकनीक की शुरुआत हुई, इसमें कोर्निया की 90 माइक्रोन की परत को लेजर से ही फ्लेप बना कर बिना ब्लेड से प्रक्रिया सम्पन्न की जाने लगी और ब्लेड की आवश्यकता खतम हो गई। मरीज को आंखो में दर्द, पानी की समस्या भी लगभग समाप्त हो गई। रीकवर भी जल्द होने लगी एवं साथ ही पतले कोर्निया में भी लेसिक लेजर सभंव होने लगा। उल्लेखनीय है कि इस केन्द्र ने अब तक हजारों से अधिक आंखो को नजर के चश्मे से राहत दिलाई है।

संपर्क सूत्र डॉ. वीरेन्द्र अग्रवाल
मो. 9829017147

स्वदेशी को अपना कर ही सार्थक होगी स्वतंत्रता

डॉ. त्रिलोक जैन

देश में आजादी का अमृत महोत्सव मनाया जा रहा है। इस अवसर पर रजत डायग्नोस्टिक सेंटर के निदेशक एवं प्रसिद्ध लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ त्रिलोक जैन ने संदेश देते हुए कहा कि इस महोत्सव का असली मकसद तभी सार्थक होगा जब हमारे देश आत्म निर्भर बनेगा। इसके लिए हमें स्वदेशी बनना होगा और स्वदेशी अपनाना होगा।

आज लोग अपनी शान के लिए विदेशी वस्तु अपनाते है इससे उनको यह अंदाजा नहीं है कि हमारा देश का विकास रुक जाएगा, हमारे देश के उद्योग धंधों की कमर टूट जाएगी। देश की आजादी के लिए जिन्होंने अपनी जान न्योछावर कर दी उनको असल श्रद्धांजलि होगी जब हम स्वदेशी बनेंगे स्वदेशी अपनाएंगे। डॉ जैन ने आव्हान किया कि देश के युवा इस स्वदेशी अभियान में आगे आएं। हमारा देश में तकनीक की कोई कमी नहीं है मैन पॉवर की भी कमी नहीं है तो क्यों न हम स्वदेशी बने और विश्व में राज करें। उल्लेखनीय है कि डॉ त्रिलोक जैन अजमेर जे एल एन मेडिकल कॉलेज 1988 के बैच के है और आपने जनरल सर्जरी में पोस्ट ग्रेजुएशन बीकानेर से की है। ग्राम हरसाना लक्ष्मणगढ़ तहसील अलवर से जन्मे डॉ त्रिलोक जैन कहते है कि संघर्ष ही जीवन है मैंने 12 वी से पहले सोचा भी नहीं था कि मै डाक्टर बनूं लेकिन अपने संघर्ष और मेहनत से डॉक्टर बन गया तो मेरा संदेश यह है कि स्वदेशी और भारत को आत्म निर्भर बनाने में एकजुट हो जाओ और देश को असल आजादी दिलवाओ।

सम्पर्क सूत्र
डॉ त्रिलोक जैन
मो 9414047829

हिम्मत और संघर्ष से ही सम्भव आजादी - डॉ. सैनी

डॉ आर पी सैनी चिकित्सा के क्षेत्र में जाना माना नाम है आपने आजादी के महोत्सव पर संदेश दिया कि आज के यंग स्टर आजादी में कुर्बानी देने वाली शकसियतो को भूल चुके है इस महोत्सव पर सभी से अनुरोध है कि आजादी के कर्ण धारो को याद करें उनकी जीवनी संघर्ष और कुर्बानी पढ़े। उल्लेखनीय है कि डॉ आर पी सैनी एसएमएस मेडिकल कॉलेज 1977 बैच के है आपने यहीं से एम एस ऑर्थो की। आर पी एस सी से चयनित हुए 8 वर्ष सरकारी सेवा की। उनमें संघर्ष का ज्जबा था, उन्होंने रोगियों की सेवा वृहद स्तर पर करने का निर्णय लिया और स्वयं का 5 बेड का क्लीनिक कम हॉस्पिटल की 10 स्टाफ के साथ मानसरोवर में शुरुआत को। कुछ बड़ा करने का जूनून और समर्पण से आज 200 बेड के साथ रोगियों को सेवा धनवंतरी हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के नाम से कर रहे है।

डॉ. आर.पी. सैनी

डॉ सैनी की दूरदर्शिता है कि हमें अच्छी स्वास्थ्य सेवाओं के लिए प्रक्षिशित नर्सिंग स्टाफ चाहिए इसके मद्देनजर आपने नर्सिंग कॉलेज की स्थापना कर हजारों विद्यार्थियों को रोजगार प्रदान किया। किसान परिवार से डॉ सैनी का जीवन संघर्ष भरा रहा लेकिन समर्पण से सफलता हासिल करते रहे। आपने पुन: संदेश देते हुए कहा कि जिस प्रकार आजादी के लिए जिन कर्णधारों ने समर्पण भाव से संघर्ष किया तभी आजादी मिली। उसी प्रकार आप जीवन में चाहे जिस क्षेत्र में हो संघर्ष करो सफलता अवश्य मिलेगी। आपने इस अवसर पर अपने चिकित्सा गुरु डॉ माधव उपाध्याय को स्मरण करते हुए नमन किया।

सम्पर्क सूत्र डॉ आर पी सैनी मो. 9829055760

नवरात्रों की हार्दिक शुभकामनाएं
DR. R.N. MAN
DAYANAND
INTEGRETED HOSPITAL
पाइल्स उपचार का केन्द्र
BALDEO Ngr 4 (DHANI JHAJORIA)
MACHDA OPP. VKI ROAD NO. 14
JAIPUR 9214522799

Dr. Goyal's
PATH LAB & IMAGING CENTRE

ALL DIAGNOSTIC SOLUTIONS UNDER ONE REOOF

- NABL Accredited
- MRI (3 Tesla)
- CT SCAN (32 Slice)
- DIGITAL X-RAY BY ADVANCED DR SYSTEM
- COLOUR DOPPLER
- 3D/4D ULTRA SONOGRAPHY
- 2D ECHO CARDIOGRAPHY
- FULLY AUTOMATIC BIOCHEMISTRY & IMMUNO ASSAY ANALYZER
- CGHS, ECHS, ESIC EMPANELLED

ONE OF THE BIGGEST SETUP IN RAJASTHAN (2000sq. FT. area)

Scan Me
B-51, Ganesh Nagar,
Opp. Janpath Corner
New Sanganer Road, Jaipur
Ph. 0141-2293346, 4049787

BRANCHES
CLINICAL LABORATORY 22-A Vidhyaut Nagar, Prince Road, Ajmer Road, jaipur MAXCARE DIAGNOSTICS B-14 Vidhyadhar Enclave-II Near Axis Bank, Vidhyadhar Nagar, Jaipur SETHI DIAGNOSTICS CENTRE 11/6 girdhar Marg, Malviya Nagar, Jaipur Call. 98874 43311, 98870 49787

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
SHRI HOSPITAL
Dr. GOPAL KHANDELWAL
(MD Medicine)
Dr. Manju Khandelwal
(MS Gynae)
Approved Hospital With Saras, Alankit, JVVNL, RRVPNL, PNB Etc & with Insurance Co.'s
4 Vishnupuri, Jagatpura Road, Jaipur Ph: 2752880

डॉ. नारंग हॉस्पिटल
Super Speciality Excellence Chest, Infertility & Urosurgery
डॉ. राजीव नारंग
MBBS MD
Chest Physician & Pulmonologist
Speciality in
Asthma, Allergy, Fibre Optic Bronchoscopy, Allergy Skin Prick Test & Sleep Disorder
ए-288 नेशनल हैण्डलूम के पीछे, वैशाली नगर जयपुर मो. 94142-50617

स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
Kamal
Diagnostic Centre
FACILITIES
Ultra Sound (3D/4D) * Digital X-Ray * Colour Dopplar * 2D Echo * ECG * CT Scan & MRI Consultation
All Laboratory Tests
Dr. Kamal Agrawal
F-59 A Kalidas Marg Bani Park
Jaipur Mob. : 7357189111

Carry Home A Relationship
MARUTI SUZUKI
Count on us
स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं
NEXA
S-CROSS
ALTO K10
शोरूम : क्वींस रोड, वैशाली नगर, जयपुर
k. p. automotives(p) ltd.
(Authorised Maruti Dealer)
Govind Marg Adarsh Nagar-407444, Banipark-4072222, Shahpura-9549651853, Chaksu-9549651811

GOLDEN
Drape
Exclusive Home Furnishing Store
भारत की स्वतंत्रता की 66वीं वर्षगांठ पर हार्दिक शुभकामनाएं जय हिंद - जय भारत
SANJAY BHATIA
15TH AUGUST INDEPENDENCE DAY
203, Lane No. 1, Near Panchwati Cricle Raja Park, Jaipur Mob - 98290-95589

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं
शादी दिलों का मेल है, उसे यादगार बनाइए
वैवाहिक परिधानों की सम्पूर्ण रेंज
Raja Sahab
His & Hers Store
Raja Park, Jaipur. Ph. : 2623001-002

स्वतंत्रता की हार्दिक बधाई
Dr. A. K. Sharma
MD, MNAMS (Nephrology)
Nephrologist, Dialysis & Transplant Specialist
ETERNAL HOSPITAL
Jawahar Circle Jagatpura Road, Jaipur, Mob : 98290-65210

Dr. Pushkar Gupta
MD (Med.), DM, DNB (Neuro)
Consultant
Neurologist
C.K. BIRLA Hospital
Resi : A-13, Jai Jawan-1, Tonk Road, Durgapura. Jaipur
Mo : 9828020015

Dr. DEEPAK VANGANI
Ms, Mch (Mumbai) Senior Consultant Neurosurgeon
Laser Endoscopy and Microneuro Surgery
NEURO SPINE CLINIC
L-24, Income Tax Colony, Tonk Road Durgapura, Jaipur
Mob 9829013398 www.vanganispinecare.com

Sparsh
स्पर्श हॉस्पिटल
चिरंजीवी एवं RGHS सुविधा के तहत नि:शुल्क इलाज
सुविधाएं
- हृदय रोग विभाग
- स्त्री एवं प्रसूति रोग विभाग
- नाक, कान एवं गला रोग विभाग
- रोडियोलॉजी विभाग
- बाल एवं शिशु रोग विभाग
- यूरोलॉजली रोग विभाग
- दन्त रोग विभाग
- मेडिसिन विभाग
- जनरल सर्जरी विभाग
- हड्डी एवं जोड़ विभाग
- पेट एवं लीवर रोग विभाग
- फिजियोथेपी विभाग

ICU / NICU
24x7 आपातकालीन सेवाएं
ट्रॉमा एवं एन्जोग्राफी एन्जोप्लास्टी
आसीन्द नगर, न्यू सांगानेर रोड़, सांगानेर, जयपुर फोन:-0140-2733348, मो. 8239038379

पाइल्स हॉस्पिटल
पाइल्स (बवासीर) व अन्य गुदारोगों का अस्पताल
A DAY CARE ANOREACTAL SURGERY CENTRE
डॉ. दिनेश शाह वरिष्ठ पाइल्स एवं गुदा रोग विशेषज्ञ M.S., FAIS, FIAGES, FACRSI
डॉ. अंशुल शाह मो. 8209632767
6/64, विद्याधर नगर, जयपुर
फोन - 0141-2334959

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रमन अग्रवाल द्वारा 170/ 3, रामगली राजापार्क के लिए जयपुर से प्रकाशित एवं मोहन शर्मा एंड कंपनी प्रा. लि., ए-10, सुदर्शनपुरा इंडस्ट्रियल एरिया, जयपुर से मुद्रित। सम्पादक : रमन अग्रवाल, सह सम्पादक - मीना अग्रवाल, 9829066272